ओएनजीसी (बीओपी) कर्मचारी संघटना
मान्यताप्राप्त युनियन

निषेध! निषेध!! निषेध!!

भाईयों और बहनों,

आप सब कि मज़बुत एकजुट, कर्मचारी संघटना को आपका हार्दिक सपोर्ट तथा कर्मचारी संघटना कामगार भर्ती के लिए मॅनेजमेंट से बराबर सम्पर्क के कारण पिछले 2-3 वर्षो में 700 से अधिक स्थानीय लोगों की भर्ती हुई है। अब 1400 से अधिक कार्मिकों की भर्ती प्रक्रिया चालू है। यह आप सभी जानते हैं। ओएनजीसी में स्थानीय कर्मचारियों की भर्ती के लिए कर्मचारी संघटना तथा स्थानीय लोकाधिकार समिति पिछले 30-32 साल से कार्यरत है। कर्मचारियों को इंटरनेट से आवेदन करने से लेकर लिखित परिक्षा के लिए प्रश्नमंच तैयार करके देना, साक्षात्कार के लिए बुलाने पर विशेषज्ञ जानकारों का मार्गदर्शन, कक्षाएँ चलाना आदि की सुविधा दी जाती है। ओएनजीसी में नौकरी मिलने पर ओएनजीसी में आवश्यक कागजात प्रस्तुत करने हेतु मार्गदर्शन किया जाता है।

उपरोक्त निर्धारित काम कर्मचारी संघटना कर रही थी जिसमें रुकावट लाने का काम पेट्रोलियम एम्प्लॉईज यूनियन ने किया है। ओएनजीसी, वसुधारा भवन स्थित कार्यालय में चलाई जाने वाली मार्गदर्शन कक्षाएं रोकने के लिए लिखित पत्र ओएनजीसी मैनेजमेंट को दिया गया। लेकिन मैनेजमेंट ने कर्मचारी संघटना का प्रामाणिक तथा निस्वार्थ कार्य देखकर बाहर यह काम जारी रखने की सलाह दी। पेट्रोलियम एम्प्लॉइज यूनियन के पदाधिकारियों ने कक्षाएँ बंद होने पर खुशी महसूस की लेकिन कर्मचारी संघटना ने दूसरे ही दिन शिवसेना भवन में प्रशिक्षण कक्षाएँ चलाते हुए अपना काम जारी रखा है।

प्रशिक्षण कक्षाएँ चलाते हुए हमने कोई भेदभाव नहीं किया है, न ही हमने यह देखा है कि उम्मीदवार किस पक्ष का है किस संघटना का है। इस प्रशिक्षण का लाभ लेते हुए विरोधियों से संबंधित बच्चे भी ओएनजीसी में आये हैं। यह बात पीईयू के पदाधिकारी भूल गये हैं। कर्मचारी संघटना की तरह काम करने में वे स्वयं असमर्थ होने के कारण हमारे काम में बाधा डाल रहे हैं। पिछले इलेक्शन कर्मचारी संघटना के जीतने और आगे भी जीतने की संभावना से वे बौखला गये है।

पीईयू के इस रवयै पर ओएनजीसी के सभी अधिकारी/कर्मचारी खेद प्रकट करते है।

प्रदीप मयेकर
(महासचिव)